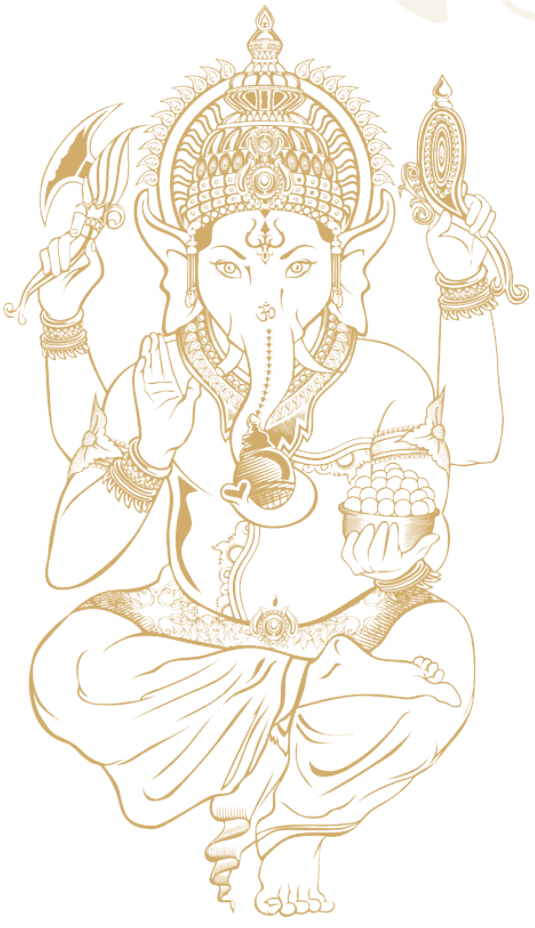

Mr.khushal shingh

Ms.chetna kuwar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120562104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/07/2002	जन्म तिथि	31/10/2001
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:25:00	जन्म समय	07:30:00 घंटे
घटी 08:47:24	जन्म समय(घटी)	02:26:15 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Harda Khas
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	22:22:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:02	सूर्योदय	06:25:21
19:11:55	सूर्यास्त	17:44:46
23:53:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:39

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 5मा 23दि	24:25:41	सिंह	लग्न	तुला	27:24:22	केतु 6वर्ष 8मा 24दि
राहु	08:10:00	कर्क	सूर्य	तुला	13:50:11	शुक्र
16/01/2014	17:21:31	मक	चंद्र	मेष	00:30:25	25/07/2008
17/01/2032	13:30:08	कर्क	मंगल	मक	08:25:52	25/07/2028
राहु 29/09/2016	12:49:51	कर्क	बुध	कन्या	25:29:22	शुक्र 25/11/2011
गुरु 22/02/2019	04:25:50	कर्क	गुरु	मिथु	21:48:12	सूर्य 24/11/2012
शनि 29/12/2021	21:59:00	सिंह	शुक्र	कन्या	25:31:32	चन्द्र 26/07/2014
बुध 17/07/2024	00:13:52	मिथु	शनि व	वृष	20:04:11	मंगल 25/09/2015
केतु 05/08/2025	23:11:00	वृष व	राहु व	मिथु	04:26:36	राहु 25/09/2018
शुक्र 05/08/2028	23:11:00	वृश्चि व	केतु व	धनु	04:26:36	गुरु 26/05/2021
सूर्य 29/06/2029	03:57:09	कुंभ व	हर्ष	मक	27:01:55	शनि 25/07/2024
चन्द्र 29/12/2030	15:54:30	मक व	नेप	मक	12:09:45	बुध 26/05/2027
मंगल 17/01/2032	21:16:48	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:52:18	केतु 25/07/2028

लग्न-चलित

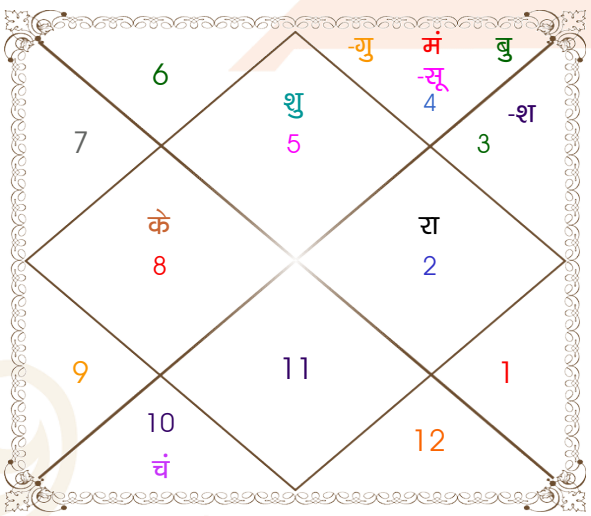

लग्न-चलित

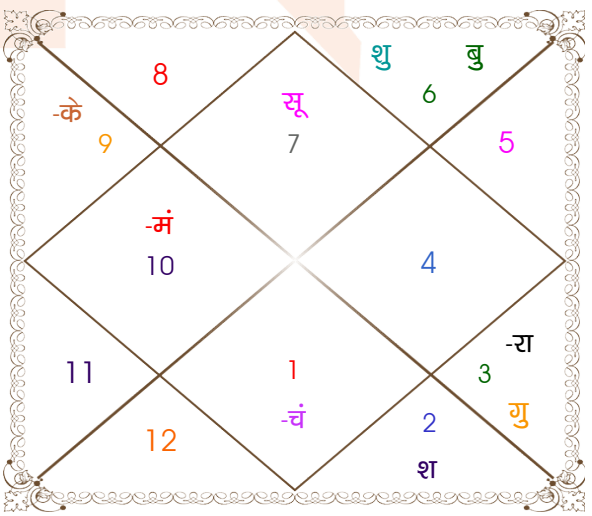

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतणीर्नीस ीपदही का वर्ग मार्जार है तथा डेण्बीमजदं ाूंत का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणीर्नीस ीपदही और डेण्बीमजदं ाूंत का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणीर्नीस ीपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतणीर्नीस ीपदही कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतणीर्नीस ीपदही कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतणीर्नीस ीपदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्बीमजदं ानूंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्बीमजदं ानूंत कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतणीर्नीस ीपदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणीर्नीस ीपदही तथा डेण्बीमजदं ानूंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com